



‘क्वाड’ देशों का तीसरा सम्मेलन (Third Meeting of the ‘Quad’ Countries)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सगिापुर में क्वाड देशों-भारत, अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के संयुक्त सचिव स्तर की तीसरी बैठक संपन्न हुई, ‘क्वाड’ इन चार देशों की अनौपचारिक रणनीतिक वार्ता है। 13वीं ईस्ट एशिया समिटि के दौरान ही क्वाड सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। यह क्वाड सम्मेलन मुख्यतः इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अवसंरचनात्मक प्रोजेक्ट्स एवं समुद्री सुरक्षा योजनाओं पर केंद्रित था।

महत्त्वपूर्ण बंदि

इस सम्मेलन में चर्चा का केंद्र कनेक्टविटि, सस्टेनेबल डेवलपमेंट, काउंटर टेररिज्म, नॉन-प्रालिफैरेशन एवं मैरीटाइम और साइबर सिक्यूरिटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग करना था। इसका उद्देश्य तेज़ी से वसितार कर रहे इंटर-कनेक्टेड इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, जसि ये चार देश एक-दूसरे एवं अन्य के साथ साझा करते हैं, में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देना है।

1. अमेरिका, जापान एवं ऑस्ट्रेलिया ने अपने बयान में क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिये ‘नयि-आधारित आदेश’ (Rules-based order) पर ज़ोर दिया था, हालाँकि भारत इसके पक्ष में नहीं था।
2. सभी चार देशों ने आगे भी इस गठबंधन को बनाए रखने की प्रतिबद्धता जाहिर की।
3. सभी पक्षों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के समुद्री इलाके में स्थिरता को समर्थन देने के लिये साथ काम करने के महत्त्व को स्वीकार किया।
4. चारों देशों ने वसितु आर्थिक विकास का समर्थन किया जसिसे क्षेत्र की पूरी क्षमता का उपयोग किया जा सके। साथ ही गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना के विकास के लिये तेज़ी से कार्य करने की बात कही गई, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों जैसे- खुलापन, पारदर्शिता, आर्थिक सक्षमता और ऋण स्थिरता पर आधारित हो।
5. भारत ने क्वाड का सैन्यीकरण किये जाने पर हमेशा से ही एतराज जताया है उसका मानना है कि क्वाड का उपयोग सिर्फ असैनिक/नागरिक मुद्दों के लिये होना चाहिये।
6. वयितनाम के प्रतिनिधि ने ऐसी कसि भी प्रकार की पहल का स्वागत किया है जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाएगा लेकिन यह कसि भी प्रकार के सैन्य गठबंधन का वसिध करता है। भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोवदि के आगामी वयितनाम दारे के तीन दिन पहले वयितनाम का यह बयान सामने आया है।

क्वाड से इतर

- भारत और जापान ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाओं की एक शृंखला की घोषण भी की है जसि उन्होंने Asia-African Growth Corridor नाम दिया है।
- भारत और जापान बांग्लादेश में जमुना रेलवे ब्रिज एवं उत्तर-पूर्वी राज्यों में अन्य ब्रिज, आवास व्यवस्था, म्याँमार के रोहगिया क्षेत्रों में स्कूल और वदियुत संबंधी परियोजनाओं, श्रीलंका में LNG plant और केन्या में कैंसर हॉस्पिटल जैसे प्रोजेक्ट्स पर मलिकर काम करेंगे।
- वही ऑस्ट्रेलिया द्वारा भी बुनयािदी ढाँचे के वतितपोषण के लिये 2 बलियन डॉलर के ऑस्ट्रेलियन इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिग फैसलिटी फॉर द पैसिफिक (Australian Infrastructure Financing Facility for the Pacific-AIFFP) की घोषणा की गई है। इसके द्वारा ऑस्ट्रेलिया, पड़ोसी देशों जैसे- फजिी, सोलोमन द्वीप एवं वनुआतु में प्रोजेक्ट्स का वतितयन करेगा।
- ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने Boe Pacific Security Declaration के तहत नकिट रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की बात भी कही। इसके अंतरगत पपुआ न्यू गिनी में एक नौसैनिक बेस बनाया जाएगा।
- ऑस्ट्रेलिया चाहता है कि भारत उसके Forum for India Pacific Islands Co-operation (FIPIC) योजना में रुचि दिखिए।

क्वाड की पृष्ठभूमि

- ‘क्वाड’ की अवधारणा सबसे पहले भारत, जापान, यूएस और ऑस्ट्रेलिया द्वारा समुद्री आपदा के समय बड़े पैमाने पर राहत और पुनरवास संबंधी कार्यों में सहयोग के लिये आई थी।
- बाद में जापान के प्रधानमंत्री शजिो अबे ने चीन के कारण उपजती भू-राजनैतिक और भू-रणनीतिक चिंताओं के मद्देनजर, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया तथा भारत के नेतृत्वकर्त्ताओं के परामर्श से 2007 में रणीनतिक वार्ता के रूप में ‘क्वाड’ की शुरुआत की।

- क्वाड के इस वचिर ने आसयान कषेत्तर में एक मशिरति प्रतकिरिया को जन्म दया एवं चीन और रूस खुले तौर पर इसके वरिध में सामने आए ।
- हालॉक 2008 में ऑस्ट्रेलया द्वारा इस गुरुप से बाहर आने के कारण यह वारता शथिलि पड़ गयी थी लेकनि बाद में वह पुनः इस वारता में शामिल हो गया ।
- 2017 में, इस अनौपचारकि समूह को पुनर्जीवलि कया गया ताकि एशया में चीन के आकरामक उदय को संतुलि कया जा सके ।
- क्वाड को 'नयिम-आधारलि आदेश' को धयान में रखते हुए पुनर्जीवलि कया गया था ताकि नेवगिशन एवं ओवर फ्लाइट की स्वतंत्रता, अंतरराष्टरीय नयिम का सम्मान, कनेक्टिविटी का प्रसार एवं समुद्री सुरक्षा को सहयोग के मुख्य तत्त्व के रूप में पहचान मलि सके । इसमें अप्रसार एवं आतंकवाद जैसे मुद्दों को भी शामिल कया गया ।
- 'क्वाड' को Quadrilateral Security Dialogue (QSD) के नाम से भी जाना जाता है । इस रणनीतिक वारता के साथ-साथ 2002 से मालाबार नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास भी चल रहा है । मालाबार अभ्यास में अमेरिका, जापान और भारत शामिल हैं । ऑस्ट्रेलया इस अभ्यास में भाग नहीं लेता है ।
- इंडो-पैसफिकि कषेत्तर का सदिधांत है कयिह कषेत्तर मुक्त और समावेशी बने जहाँ वभिनिन देश अंतरराष्टरीय कानून का सम्मान करें ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/third-meeting-of-the-quad-countries>

